Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include tribal artists of Gavri Loknatya in the pension welfare fund scheme.

श्री अर्जुन लाल मीणा (उदयपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । मैं आपके माध्यम से उदयपुर, मेवाड़ क्षेत्र के लोकनृत्य गवरी के बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । गवरी, मेवाड़ अंचल में प्रचलित सर्वाधिक लोकप्रिय, रोमांचक और मनोरंजक लोक उत्सव है । यह एक अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है । इसके प्रस्तुत नाटकों में जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण के अनूठे कथानक हैं । इनकी रचना, प्रस्तुती, अभिनय, संगीत आदि सब कुछ भील जनजाति के कलाकारों द्वारा किया जाता है । इसके प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है ।

गवरी काल के कलाकार दैनिक मजदूरी आदि नहीं कर पाते हैं । सवा महीने तक ये कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं । ये आदिवासी कलाकार सवा महीने तक अपने देवताओं की पूजा करते हैं और नाटक-मंचन करते हैं । राज्य स्तर पर टीएडी विभाग द्वारा सांस्कृतिक मंत्रालय के माध्यम से गवरी विषय पर पुस्तकों, व्याख्यानों का अधिक से अधिक प्रदर्शन तथा उन प्रदर्शनों का प्रचार-प्रसार तथा मूल नाटिकाओं का फिल्मांकन, डॉक्युमेंट्री, सीरियल, गीत, संगीत आदि कार्यक्रमों का निर्माण दूरदर्शन के माध्यम से किया जाए ।

हजारों पारम्परिक गवरी कलाकारों को केंद्र की विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे संस्कृति मंत्रालय की कलाकर पेंशन कल्याण निधि योजना से जोड़ा जाए, यह मेरी आपसे गुजारिश है । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. किरिट पी. सोलंकी और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अर्जुन लाल मीणा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।